dress_Layout 1 11/3/2014 12:35 PM Page 1

यह ड्रेस मैं घर में ही पहनना चाहती हूँ क्योंकि यह ड्रेस हल्की–फुल्की सी है। ज़्यादा डिज़ाइन वाली नहीं है इसलिए मैं इसे घर में ही पहनना चाहती हूँ और मैं नौ साल की हो जाऊँ तब तक ये ड्रेस पहन लूँ।

मैं इस ड्रेस को आने–जाने में पहनना चाहती हूँ। मैं इसे सबसे पहले खरीदती और जब इसे पहनती तब इसके साथ एक हार फ्री होता।

इस डेऊस को मैं पार्टी में पहन कर जाती। मैं यह चाहती हूँ कि जब तक मैं दस साल की हो जाऊँ तब तक मैं इसे पहन लूँ। काश इसके साथ दो ब्रेसलेट भी फ्री होते।

मैं इस ड्रेस को शादी में पहनना चाहती हूँ। इस ड्रेस में कई डिज़ाइन हैं और पंख भी हैं। पंखों के साथ परियों का कॉलर है जिसे मोड़ते नहीं है। मैं इसी उम्र में इस ड्रेस को पहन लूँ। काश इसके साथ एक ताज होता।

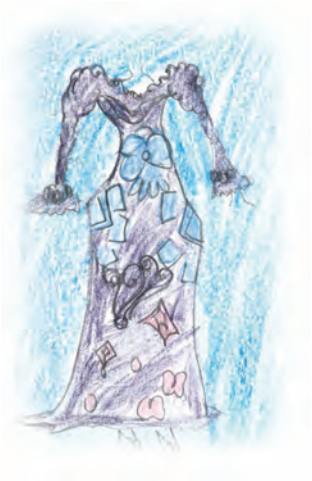

यह एक साड़ी जैसा लहंगा है। इसमें सिर्फ़ एक ही डिज़ाइन है, सिर्फ़ और सिर्फ़ ये वाला। इसे मैं घर में ही पहनना चाहती हूँ। इसके साथ हील के सैंडल हों, जो बड़ी लंबी हील के हों।

इसे मैं मंदिर जाते वक़्त पहन लूँ।
इसके साथ एक नेलपॉलिश फ्री
हो।

इस ड्रेस को दूसरों के जन्मदिन पर पहनूँ।

इस ड्रेस को स्कूल के प्रोग्राम में पहनूँ।

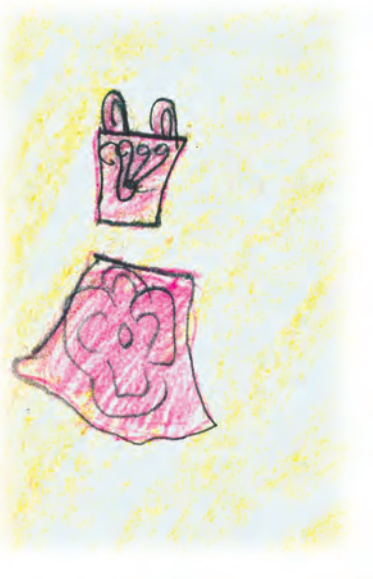

काश इसे मैं पिकनिक में पहनूँ।

काश इसे मैं अपने जन्मदिन पर पहनूँ।

dress_Layout 1 11/3/2014 12:36 PM Page 12

चाहतें

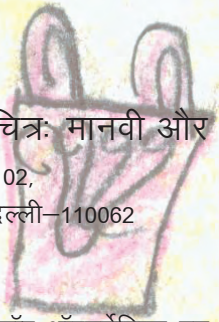

लेखन और चित्रः मानवी और आँचल
लर्निंग कलेक्टिव 02,
दक्षिणपुरी, नई दिल्ली–110062

प्रकाशक :
अंकुर सोसायटी फ़ॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

2014